



## राष्ट्रपति भारत गणतंत्र

### सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि हमारे देश की रक्षा के लिए सीमाओं पर वीरतापूर्वक लड़ने वाले शहीदों और सैनिकों को सम्मानित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 07 दिसंबर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है।

इस दिन, कृतज्ञ राष्ट्र गौरव के साथ हमारी सेनाओं के सर्वोच्च बलिदान और साहस को स्मरण करता है। हमारी सशस्त्र सेनाओं ने अनुकरणीय देशभक्ति का प्रदर्शन किया है तथा सीमा पार आतंकवाद और उग्रवाद के सम्मुख असाधारण बलिदान दिए हैं और इस प्रकार संपूर्ण राष्ट्र का प्रेम और सम्मान अर्जित किया है।

मैं अपने सभी देशवासियों से अपील करता हूं कि युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं, निःशक्त रक्षा कार्मिकों और पूर्व सैन्य कर्मियों के पुनर्वास के महान कार्य में उदारतापूर्वक योगदान दें। अपने वीर शहीदों के आश्रितों का पुनर्वास और कल्याण सुनिश्चित करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। झंडा दिवस हमें इस दायित्व को पूरा करने का अवसर प्रदान करता है।

मैं सशस्त्र सेना झंडा दिवस की सफलता की कामना करता हूं।

**प्रणव मुखर्जी**  
(प्रणव मुखर्जी)

नई दिल्ली

10 अक्टूबर, 2016



## **PRESIDENT REPUBLIC OF INDIA**

### **MESSAGE**

I am happy to learn that the Armed Forces Flag Day is being observed every year on December 7, to honour martyrs and the men in uniform who bravely fight on our borders to safeguard our country.

On this day, a grateful nation remembers with pride the supreme sacrifice and courage of our Forces. Our Armed Forces have shown exemplary patriotism and made enormous sacrifices in the face of cross border terrorism and insurgency, earning in the process the affection and esteem of the entire nation.

I appeal to all my fellow citizens to generously contribute to the noble cause of rehabilitation of war widows, disabled defence personnel and ex-servicemen. It is our collective duty to ensure rehabilitation and welfare of the dependents of our brave martyrs. The Flag Day gives us an opportunity to fulfill this obligation.

I wish the Armed Forces Flag Day every success.

*Pranab Mukherjee*  
(Pranab Mukherjee)

New Delhi  
October 10, 2016